दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 02 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 213

भारत का फार्मा निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में 103 % बढ़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के फार्मा निर्यात ने वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में 103 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई है और यह वित्त वर्ष 2013-14 के 90,415 करोड़ रुपये से बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1,83,422 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अर्जित निर्यात फार्मा सेक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ निर्यात प्रदर्शन है। यह एक उल्लेखनीय बढोतरी है जब निर्यात ने 8 वर्षों में लगभग 10 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो चुकी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट के माध्यम से इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्रिय नेतृत्व में भारत 'विश्व के फार्मेसी' के रूप में सेवा करता रहा है।

पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के असाधारण प्रदर्शन के आधार पर, भारतीय फार्मा निर्यात ने एक बार फिर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान स्वस्थ प्रदर्शन दर्ज कराया है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान फार्मा निर्यात ने वैश्विक व्यापार बाधाओं तथा कोविड संबंधित दवाओं की मांग में कमी के बावजूद सकारात्मक वृद्धि बनाये रखी है। 15175.81 मिलियन डॉलर के अधिशेष के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में बना हुआ है।

अपनी कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता तथा अच्छी गुणवत्ता के कारण सक्षम भारतीय फार्मा कंपनियों ने वैश्विक पहचान बनाई है जिसमें विश्व के 60 प्रतिशत टीके तथा 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं।

भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया भर में तीसरे तथा मूल्य के लिहाज से विश्व में 14वें स्थान पर है। भारत की फार्मा सफलता गाथा के पीछे हमारी विश्व स्तरीय विनिर्माण उत्कृष्टता, मजबूत बुनियादी ढांचा, लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रशिक्षित मानव पूंजी तथा नवोन्मेषण है। भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग का वर्तमान बाजार आकार लगभग 50 बिलियन डॉलर है।

हमारे वैश्विक निर्यातों में फार्मास्यूटिकल तथा औषधियों का हिस्सा 5.92 प्रतिशत है। फॉर्मूलेशन तथा बायोलॉजिकल्स की हमारे कुल निर्यातों में 73.31 प्रतिशत की प्रमुख हिस्सेदारी है जिसके बाद 4437.64 मिलियन डॉलर के निर्यातों के साथ बल्क ड्रग्स तथा ड्रग इंटरमीडिएट्स का स्थान आता है। भारत के शीर्ष फार्मा निर्यात गंतव्य देश हैं: अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, रूस तथा नाईजीरिया।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय फार्मा निर्यात का लगभग 55 प्रतिशत उच्च रूप से विनियमित बाजारों की मांग की पूर्ति करते हैं। भारतीय फार्मा कंपनियों की अमेरिका तथा यूरोपीय संघ में प्रिसक्रिप्शन बाजार में उल्लेखनीय हिस्सेदारी है। अमेरिका के बाहर एफडीए स्वीकृत संयंत्रों की सबसे बड़ी संख्या भारत में है।

वित्त वर्ष 2020-21 में भी, भारतीय ड्रग्स तथा फार्मास्यूटिकल्स ने कोविड के निराशाजनक माहौल में तेज वृद्धि दर्ज कराई थी और 18 प्रतिशत की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 24.4 बिलियन डॉलर का निर्यात दर्ज कराया था।

वित्त वर्ष 2020-21 में असाधारण निर्यात वृद्धि बार-बार होने वाले लॉकडाउन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं तथा निराशाजनक विनिर्माण सेक्टर की समस्याओं का सामना करते हुए हासिल की गई थी। भारतीय फार्मा उद्योग ने कोविड महामारी के खिलाफ मुकाबला करने तथा दुनिया को यह प्रदर्शित करते हुए कि जब वैश्विक स्वास्थ्य संकट से निपटने की बात आती है तो हम लगातार एक विश्वसनीय तथा भरोसेमंद साझीदार बने रहते हैं, में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत के टीकों के उद्योग ने अमेरिका तथा यूरोपीय संघ जैसे उच्च रूप से विकसित देशों के मुकाबले सबसे कम समय में आईसीएमआर तथा एनआईवी जैसी भारत के अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ कोविड टीके का विकास किया है। भारत ने 97 से अधिक देशों को टीकों की 115 मिलियन से अधिक खुराकें उपलब्ध कराई।

व्यापार समझौते के हिस्से के रूप में, भारत ने यूएई तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ भी सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो भारतीय फार्मा उत्पादों को इन बाजारों में अधिक पहुंच उपलब्ध कराएगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

कश्मीरी पंडितों के बच्चों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के एक शैक्षणिक संस्थान ने देशभर में बसे कश्मीरी पंडितों के बच्चों को उनकी मातृभूमि से विस्थापित होने के बाद मुफ्त शिक्षा देने की घोषणा की है। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर शहर में अंबिका महाविद्यालय के संयोजक सुब्रमण्य नट्टोज ने यह घोषणा की। फिल्म द कश्मीर फाइल्स देखने के बाद कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा से प्रभावित होकर नट्टोज ने जम्मू का दौरा किया और फिर कश्मीरी पंडितों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने का फैसला किया। वह छठी कक्षा से स्नातक तक मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की योजना लेकर आए हैं। उन्होंने उनके लिए मुफ्त छात्रावास सुविधा की भी घोषणा की। नट्टोज ने कहा कि संस्थान पहले ही चार कश्मीरी पंडितों को संस्थान में भर्ती करा चुका है। उन्होंने कहा, इस संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रति छात्र 80,000 रुपये तक का खर्च आएगा। अन्य सुविधाओं के लिए उन्हें सालाना 50,000 रुपये खर्च होंगे। लेकिन कश्मीरी पंडितों के बच्चों को सभी सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध होंगी।

महाराष्ट्र में कोरोना के 155 नए मामले

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 155 नए मामले सामने आए हैं और एक मौत हुई है। इसके बाद राज्य में इस संक्रमण से अब तक प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 78,77,732 हो गयी है। वहीं अब तक 1,47,843 लोगों की मौत हुयी है। इस दौरान राज्य में 135 लोगों को ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। इसके बाद राज्य में अब तक स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 77,28,891 हो गई। राज्य में की रिकवरी दर घटकर 98.11 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.87 प्रतिशत हो गई। वर्तमान समय में राज्य में कोरोना के 998 मरीज हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

केरल में भडक़ाऊ भाषण के आरोप में पूर्व विधायक पीसी जॉर्ज गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक पीसी जॉर्ज को रविवार तडक़े कोट्टायम जिले के एराट्टुपेटा स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारी कथित भडक़ाऊ भाषण के बाद हुई, जो उन्होंने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में अनंतपुरी हिंदू महासम्मेलन के दौरान दी थी। कई संगठनों ने उनके भाषण के विरोध में सामने आने के बाद केरल कांग्रेस नेता को अपने वाहन से भारी पुलिस बल के साथ राज्य की राजधानी में आने की अनुमति दी गई। मुस्लिम लीग और माकपा ने जॉर्ज के अभद्र भाषा के खिलाफ शिकायत की थी। जॉर्ज को तिरुवनंतपुरम लाने वाली सडक़ों पर भारी पुलिस दल तैनात किया गया था। जॉर्ज ने एक भडक़ाऊ भाषण दिया था जिसमें वह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ जमकर बरसे थे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने पी.सी. जॉर्ज की गिरफ्तारी का विरोध किया और कहा कि यह मुक्त भाषण के अधिकार पर अंकुश लगाने के लिए पिनाराई विजयन सरकार द्वारा अपनाई गई नीति का हिस्सा है।

जौनपुर में छात्र की लाठी डंडे से पीट कर हत्या

जौनपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के जलालपुर क्षेत्र में स्कूली छात्र की लाठी डंडे से पीट कर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के नेवादा गांव निवासी उपेंद्र यादव का 18 वर्षीय पुत्र मिथिलेश यादव को क्षेत्र के रामरूप सर्वोदय इंटर कालेज भवनाथपुर त्रिलोचन महादेव में भौतिक विज्ञान प्रेक्टिकल परीक्षा के दौरान प्रेक्टिकल फाइल देखने को लेकर छात्रों में विवाद हो गया, तो एक गुट द्वारा फोन कर बाहरी लोगो को बुलाकर लाठी डंडे से जम मारपीट हो गई, जिसमे छात्र मिथिलेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होने बताया कि घायल छात्र को सीएचसी रेहटी भेजा गया जहां चिकित्सको ने बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। रास्ते में हरहुवा के पास घायल छात्र की मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक केराकत शुभम तोदी ने बताया कि घटना के संबंध में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पूर्व विधायक के बैंक खाते से ड्राइवर ने खर्च किए 30 लाख, हुआ गिरफ्तार

वाराणसी (आरएनएस)। पूर्व भाजपा विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह के ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पूर्व विधायक के वेतन खाते से 30 लाख रुपये की खरीदारी की थी। पूर्व विधायक के ड्राइवर विवेक सिंह ने 2019 से 2021 के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू, फैशन और खाने के सामान की खरीदारी की थी।

सुरेंद्र नारायण सिंह 2017 से 2022 तक बीजेपी विधायक रहे।

पूर्व विधायक ने अपने खाते से पैसे निकालने की शिकायत साइबर क्राइम सेल में दर्ज कराई थी। आईजी रेंज के सत्यनारायण ने बताया कि सुरेंद्र नारायण सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज कर वाराणसी रेंज की साइबर क्राइम शाखा ने विस्तृत जांच की और उसके परिणाम के आधार पर उनकेड्राइवर विवेक को गिरफ्तार कर लिया।

उसकी सूचना पर, साइबर क्राइम पुलिस ने दो स्मार्ट टीवी, डीजे के लिए बिजली के उपकरण, एम्पलीफायर, साउंड मिक्सिंग मशीन, स्टेबलाइजर्स, लाइट, लैपटॉप, कूलर, इन्वर्टर, बैटरी और आठ लाख रुपये से अधिक मूल्य के कई और सामान बरामद किए हैं।

शुरूआती पूछताछ में विवेक ने खुलासा किया कि वह मिर्जापुर में चुनार थाने के चौकीदार के रूप में काम करता था और फरवरी 2018 में 9,000 रुपये के मासिक वेतन पर विधायक के ड्राइवर के रूप में नौकरी करने लगा। विधायक के लिए काम करते हुए, विवेक उनके परिवार के सदस्य की तरह बन गया था। सिंह ने अपने उस बैंक खाते का विवरण दिया था, जिसमें वह वेतन प्राप्त करते थे, साथ ही ड्राइवर को मोबाइल फोन भी दिया, जो एटीएम कार्ड से मोबाइल और दवाओं का भुगतान भी करता था।

चारधाम यात्रा के लिए अभी तक 3,56,148 श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

ऋषिकेश (आरएनएस)। अक्षय तृतीया के रोज चारधाम यात्रा का शुभारंभ होने जा रहा है। यात्रा के प्रमुख संचालन केंद्र ऋषिकेश में यात्रा से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यात्रा शुभारंभ होने से 48 घंटा पहले ऋषिकेश में कई प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। ऋषिकेश स्थित पंजीकरण केंद्र में दोपहर 12.00 बजे तक 650 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके हैं। तीन मई अक्षय तृतीया के दिन यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट विधिवत पूजा अर्चना के साथ खुल जाएंगे। एक रोज पूर्व सोमवार को ऋषिकेश से यात्रियों का जत्था यात्रा के लिए रवाना होगा। सभी यात्रियों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है।

यात्रा शुभारंभ होने से 48 घंटा पूर्व यात्रा संचालन केंद्र बस टर्मिनल कंपाउंड में जम्मू, राजस्थान, नेपाल आदि क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यह सभी लोग यहां पंजीकरण करा रहे हैं। इस वर्ष पंजीकरण कराने वाली एथिक्स इन्फोटेक कंपनी की ओर से कर्मचारियों के जरिए पंजीकरण की व्यवस्था की गई है।

इसके अतिरिक्त यात्री स्वयं अपना पंजीकरण करा सकते हैं। उसके लिए आठ कियोस्क की व्यवस्था की गई है। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रेम अनन्त ने बताया कि रविवार दोपहर 12:00 बजे तक 650 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके हैं। चारधाम यात्रा पर जाने वाले 3,56,148 श्रद्धालुओं ने रविवार दोपहर 12.00 बजे तक अपना पंजीकरण कराया है।

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से पंजीकरण के लिए वेबसाइट एचटीटीपी://रेजिस्ट्रेशनएंड टूरिस्टकेअरडॉटयूकेडॉट जीओवीडॉटइन जारी की गई है। अब तक यमुनोत्री के लिए 59,395, गंगोत्री के लिए 61,403, केदारनाथ के लिए 1,28,696, बदरीनाथ के लिए 1,03,692 और श्री हेमकुंड धाम के लिए 2962 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया है।

उधर, परिवहन विभाग की ओर से यात्रा मार्ग पर रविवार से चेक पोस्ट खोल दी गई है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि गंगोत्री हाइवे पर भद्रकाली और बदरीनाथ हाईवे पर ब्रम्हपुरी में चैक पोस्ट स्थापित कर वहां अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। रविवार से ही अन्य प्रांत से आने वाले वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड सुविधा उपलब्ध करा दी गई है।

मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार कल छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) का शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार कल छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) के नए भवन का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास करेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री कुमारी प्रतिमा भौमिक, छत्तीसगढ़ सरकार की महिला और बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव निर्वाचन क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय,सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय केदिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की सचिव श्रीमती अंजलि भावरा, राजनांदगांव विधान सभा के सदस्यऔर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के निदेशक (कार्यवाहक) बी.वी. राम कुमार और राजनांदगांव स्थित सीआरसीके निदेशक कुमार राजू भी उपस्थित रहेंगे।

इस समारोह के दौरान 500 पात्र लाभार्थियों को कुल 33,28,681 रुपये की लागत से सहायक उपकरण औरशिक्षण सामग्री किट भी वितरित किए जाएंगे।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए राजनांदगांव में समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) की स्थापना जून, 2016 में की थी। इसके बाद से सीआरसी एक अस्थायी परिसर में काम कर रहा है। इसके लिएजिला प्रशासन ने क्लिनिकल सेवाएं, प्रशासन और स्टोर की सुविधा के लिए 15 कमरे आवंटित किए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस संस्थान को स्थायी भवन निर्माण के लिएराजनांदगांव के ठाकुरटोलामें 5 एकड़ भूमि आवंटित की है।

इस प्रस्तावित नए भवन में 24.28 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ विभिन्न सेवाओं के लिए 4,105.22 वर्गमीटर का मुख्य क्षेत्र होगा। इन सेवाओं में मूल्यांकन, चिकित्सीय सेवाएं, मनोविज्ञान, विशेष शिक्षा, क्रॉस-दिव्यांगता शुरुआती हस्तक्षेप केंद्र, कौशल प्रशिक्षण, दीर्घावधि और लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रशासन, सम्मेलन कक्ष, राहत देखभाल औरअतिथि कक्षआदि शामिल हैं।

इस भवन में सब-स्टेशन, अग्निशमन प्रणाली, अग्नि चेतावनी प्रणाली, लिफ्ट, स्ट्रीट लाइटिंग, डीजी सेट, सीसीटीवी प्रणाली, यूपीएस, ईपीएबीएक्स प्रणाली, लैन नेटवर्किंग सहायक उपकरण और एसटीपी का भी प्रावधान होगा। यह केंद्र कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है। इनमें शुरुआती पहचान व हस्तक्षेप,पेशेवर चिकित्सा,फिजियोथेरेपी, शारीरिक चिकित्सा व पुनर्वास,मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप,प्रोस्थेटिक्स व ऑर्थोटिक्स, भाषा बोलना व सुनना, विशेष शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सहायक उपकरणों का वितरण,अध्यापन शिक्षण व संचार सामग्री, सामाजिक कार्य, प्लेसमेंट (रोजगार लेना), आउटरीज सेवाएं, मानव संसाधन विकास, अनुसंधान व विकास शामिल हैं।

हल्द्वानी में बवाल के बाद 10 गिरफ्तार, भारी पुलिस बल तैनात

नैनीताल (आरएनएस)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में बीती रात को हुए बवाल के मामले में पुलिस ने रविवार को 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य की पहचान की जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार हल्द्वानी के शीशमहल में शनिवार रात को शिव मंदिर से लौट रहे युवकों पर कुछ लोगों ने भद्दी टिप्पणी कर दी। इससे तकरार बढ़ गया और देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में एक धर्म विशेष के लोग एकत्र हो गये। लोग मोटर साइकिल व दोपहिया वाहनों से मौके पर जुट गये। आरोप है कि उन्होंने युवकों पर पथराव कर दिया।

इस घटना के बाद हल्द्वानी में तनाव बढ़ गया। पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाल लिया। हिन्दूवादी संगठन भी आगे आ गये और उन्होंने पुलिस से दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करने की मांग की। साथ ही शिव मंदिर में रविवार को पंचायत करने की घोषणा की।

नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पंकज भट्ट ने कहा कि दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से अन्य दोषियों की पहचान की जा रही है। जो भी दोषी होगा उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल माहौल शांत है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिये भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सुरक्षाबलों के जवानों के लिए सप्ताह में 3 दिन 72 सीटर विमान उड़न भरेगी 7 से

केंद्रिय गृह मंत्रालय ने सिर्फ नक्सल मोर्चे पर तैनात सुरक्षाबलों के जवानों के लिए दी है यह सुविधा

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर में नक्सल ग्रस्त क्षेत्रों में तैनात अर्धसैनिक बलों के जवानों को छुट्टी पर जाने में सुविधा के लिए केंद्रिय गृह मंत्रालय ने जगदलपुर से सीधे प्लेन में रायपुर और दिल्ली तक पंहुचाने के लिए एक नई व्यवस्था प्रदान किए हैं। जिसके तहत विमान कंपनी इंडिगो 07 मई से सप्ताह में तीन दिन जगदलपुर से रायपुर होकर दिल्ली तक के लिए एक 72 सीटर विमान उड़ाने की योजना बनाई है। जिसमें सिर्फ नक्सल मोर्चे पर तैनात सुरक्षाबलों के जवान और अफसर ही यात्रा कर सकेंगे, इस सुविधा की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों के जवानों और अधिकारियों में काफी खुशी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्तर समेत दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव और कांकेर में पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान तैनात हैं। इसके अलावा ओडिशा के मलकानगिरी और कोरापुट में भी सुरक्षाबल के जवान तैनात हैं। जिन्हें जगदलपुर से जवानों के लिए हवाई सेवा शुरू होने पर काफी सहूलियत मिलेगी। इससे पहले वायु सेना का विमान जवानों को जगदलपुर लेने और दिल्ली छोड़ने जाता था, लेकिन महीने में केवल एक बार उड़ान भरने से जवानों को दिक्कत होती थी। वहीं अब 07 मई से शुरू होने वाली इंडिगो विमान सप्ताह में तीन दिन जगदलपुर से रायपुर और दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। जिससे जवानों को मिलने वाली छुट्टी में समय की बचत होगी, साथ ही जवान आरामदायक सफर कर अपने घर जा सकेंगे।

बस्तर में तैनात जवानों का कहना है कि केवल जवानों के लिए ही फ्लाइट होने से उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी, वे अब छुट्टी के दिन ही अपने घर पहुंच सकेंगे। जवानों ने बताया कि कैंप से जगदलपुर शहर तक पहुंचना और फिर जगदलपुर से रायपुर जाना, उसके बाद ट्रेन से अपने घर जाने के दौरान सफर में ही छुट्टी के आधे दिन बीत जाते थे। यदि जगदलपुर से रायपुर और दिल्ली के लिए फ्लाइट शुरू होती है तो जवानों को काफी राहत मिलेगी।

जगदलपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर के.के. भौमिक ने बताया कि अर्धसैनिक बलों के लिए इंडिगो 72 सीटर विमान चलाएगा, यह सिर्फ अर्धसैनिक बलों के जवानों और अधिकारियों लिए उपलब्ध होगी।